01
अध्याय

विकास

1. परिचय

1.1. अर्थव्यवस्था :–

एक ढाँचा जिसके अन्तर्गत लोगों की आर्थिक क्रियाओं का अध्ययन किया जाता है ।

1.2. आर्थिक विकास :–

एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक अर्थव्यवस्था की वास्तविक 'प्रति व्यक्ति आय' दीर्घ अवधि में बढ़ती है ।

1..3.विकास :–

- विकास के लक्ष्य विभिन्न लोगों के लिये विभिन्न हो सकते हैं। हो सकता है कि कोई बात किसी एक व्यक्ति के लिये विकास हो लेकिन दूसरे के लिये नहीं।
- उदाहरण के लिये किसी नये हाइवे का निर्माण कई लोगों के लिये विकास हो सकता है लेकिन जिस किसान की जमीन उस हाइवे निर्माण के लिये छिन गई हो उसके लिये तो वह विकास कतई नहीं हो सकता।

1.4. आय और अन्य लक्ष्य :–

- ज्यादा आय, बराबरी का व्यवहार, स्वतंत्रता, काम की सुरक्षा, सम्मान व आदर, परिवार के लिए सुविधाएँ, वातावरण आदि।
- विश्व बैंक की विश्व विकास रिपोर्ट 2017 के अनुसार, 2017 में प्रतिव्यक्ति आय जिन देशो में US $12056 प्रति वर्ष या उससे अधिक है वह समृद्ध या विकसित राष्ट्र कहलाते है। जिनकी आय US $ 995 प्रति वर्ष या उससे कम है वह विकासशील/निम्न आय वाले देश कहलाते हैं

2. विकास के लक्ष्य :–

2.1. **प्रति व्यक्ति आय** :– जब देश की कुल आय को उस देश की जनसंख्या से भाग दिया जाता है तो जो राशि मिलती है उसे हम प्रति व्यक्ति आय कहते हैं। वर्ष 2017 की विश्व विकास रिपोर्ट के अनुसार भारत में प्रति व्यक्ति सालाना आय US $ 1820 है।

2.2. **सकल राष्ट्रीय उत्पाद** :– किसी देश में उत्पादित कुल आय को सकल राष्ट्रीय उत्पाद कहते हैं। सकल राष्ट्रीय उत्पाद में हर प्रकार की आर्थिक क्रिया से होने वाली आय की गणना की जाती है।

2.3. **सकल घरेलू उत्पाद** :– किसी देश में उत्पादित कुल आय में से निर्यात से होने वाली आय को घटाने के बाद जो बचता है उसे सकल घरेलू उत्पाद कहते हैं।

© JCERT not to be republished

2.4. **शिशु मृत्यु दर** :– हर 1000 जन्म में एक साल की उम्र से पहले मरने वाले बच्चों की संख्या को शिशु मृत्यु दर कहते हैं। यह आँकड़ा जितना कम होगा वह विकास के दृष्टिकोण से उतना ही बेहतर माना जायेगा। शिशु मृत्यु दर एक महत्वपूर्ण पैमाना है। इससे किसी भी क्षेत्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और गुणवत्ता का पता चलता है। सन 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में शिशु मृत्यु दर 15 है।

2.5. **पुरुष और महिला का अनुपात** :– प्रति हजार पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या को लिंग अनुपात कहते हैं। भारत में 2011 की जनगणना के अनुसार प्रति हजार पुरुषों की तुलना में केवल 940 महिलाएँ हैं।

2.6. **जन्म के समय संभावित आयु** :– एक औसत वयस्क अधिकतम जितनी उम्र तक जीता है उसे संभावित आयु कहते हैं। सन 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में पुरुषों की संभावित आयु 67 साल है और महिलाओं की संभावित आयु 72 साल है। इससे देश में व्याप्त जीवन स्तर का पता चलता है।

2.7. **साक्षरता दर** :– 7 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों में साक्षर जनसंख्या का अनुपात को साक्षरता दर कहते हैं ।

2.8. **निवल उपस्थिति अनुपात** :– 6–10 वर्ष की आयु के स्कूल जाने वाले कुछ बच्चों का उस आयु वर्ग के कुल बच्चों के साथ प्रतिशत उपस्थिति अनुपात कहलाता है।

2.9. **राष्ट्रीय आय** :– देश के अंदर उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य तथा विदेशों से प्राप्त शुद्ध आय के योग को राष्ट्रीय आय कहते है।

2.10. **बी . एम . आई** :– शरीर का द्रव्यमान सूचकांक पोषण वैज्ञानिक , किसी व्यस्क के अल्पपोषित होने की जाँच कर सकते हैं। यदि यह 5 से कम है तो व्यक्ति कुपोषित है अगर 25 से ऊपर है तो वह मोटापे से ग्रस्त हैं।

2.11. **आधारभूत संरचना** :– आधारभूत संरचना किसी देश की अर्थव्यवस्था के लिये रीढ़ की हड्डी का काम करती है। सड़कें, रेल, विमान पत्तन और विद्युत उत्पादन किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की जान होते हैं। अच्छी आधारभूत संरचना से आर्थिक गतिविधियाँ बेहतर हो जाती हैं जिससे हर तरफ समृद्धि आती है।

2.12. **मानव विकास सूचकांक (HDI)** :– मानव विकास सूचकांक एक सांख्यिकीय सूचकांक है जिसमें जीवन प्रत्याशा, शिक्षा, और आय सूचकांकों को शामिल किया जाता है। मानव विकास सूचकांक में किसी देश के जीवन स्तर को मापा जाता है। इसमें देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) तथा उपलब्ध स्वास्थ्य एवं शिक्षा के स्तर आदि को भी देखा जाता है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा पहला मानव विकास सूचकांक साल 1990 में जारी किया गया था। प्रत्येक वर्ष इसे संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

2.13. **जीवन प्रत्याशा के मामले में** :– मानव विकास रिपोर्ट 2020 के मुताबिक, साल 2019 में जन्मे भारतीयों की जीवन प्रत्याशा 69.7 साल आंकी गई, जबकि बांग्लादेश में यह 72.7 साल रही। जीवन प्रत्याशा के मामले में पड़ोसी देश पाकिस्तान पीछे रहा. वहां जीवन प्रत्याशा 67.3 साल आंकी गई।

© JCERT not to be republished

2.14. रिपोर्ट के मुताबिक, मानव विकास सूचकांक में नॉर्वे शीर्ष स्थान पर रहा, जबकि आयरलैंड, स्विट्जरलैंड, हांगकांग व आइसलैंड क्रमशः दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर रहे।

2.15. मानव विकास रिपोर्ट के मुताबिक, श्रीलंका और भूटान जैसे छोटे देश भी मानव विकास सूचकांक में भारत से अच्छा हैं. मालूम हो कि श्रीलंका 72वें और भूटान 129वें और चीन 85वें स्थान पर हैं।

2.16. मानव विकास सूचकांक में भूटान (129), बांग्लादेश (133), नेपाल (142), म्यांमार (147), पाकिस्तान (154) और अफगानिस्तान (169) आदि मध्यम मानव विकास की श्रेणी वाले देशों में शामिल रहे। भारत साल 2018 में इस सूची में 130वीं रैंक पर रहा था।

3. विकास की धारणीयता :–

विकास की धारणीयता से अभिप्राय है कि पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना विकास करना तथा वर्तमान पीढ़ियों की जरूरतों के साथ–साथ भावी पीढ़ियों की जरूरतों को ध्यान में रखना।

3.1 विकास की धारणीयता की विशेषताएं :–

- संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग।
- नवीकरणीय संसाधनों का अधिकतम उपयोग।
- वैकल्पिक संसाधनों को ढूँढने में मदद।
- संसाधनों के पुनः उपयोग व चक्रीय प्रक्रिया को बढ़ावा।

4. नवीकरणीय साधन :–

भूमिगत जल नवीकरणीय साधन का उदाहरण हैं । फसल और पौधों की तरह इन साधनों की पुनः पूर्ति प्रकृति करती है, लेकिन यहाँ भी हम इन साधनों का अति–उपयोग कर सकते हैं।

उदाहरण के लिए , भूमिगत जल का यदि बरसात द्वारा हो रही पुनः पूर्ति से अधिक प्रयोग करते हैं , तो हम इस साधन का अति–उपयोग कर रहे होंगे ।

5. गैर नवीकरणीय साधन :–

गैर नवीकरणीय साधन वो हैं , जो कुछ ही वर्षों के प्रयोग के पश्चात् समाप्त हो जाते हैं । इन संसाधनों का धरती पर एक निश्चित भण्डार है और इनकी पुनः पूर्ति नहीं हो सकती ।

© JCERT not to be republished

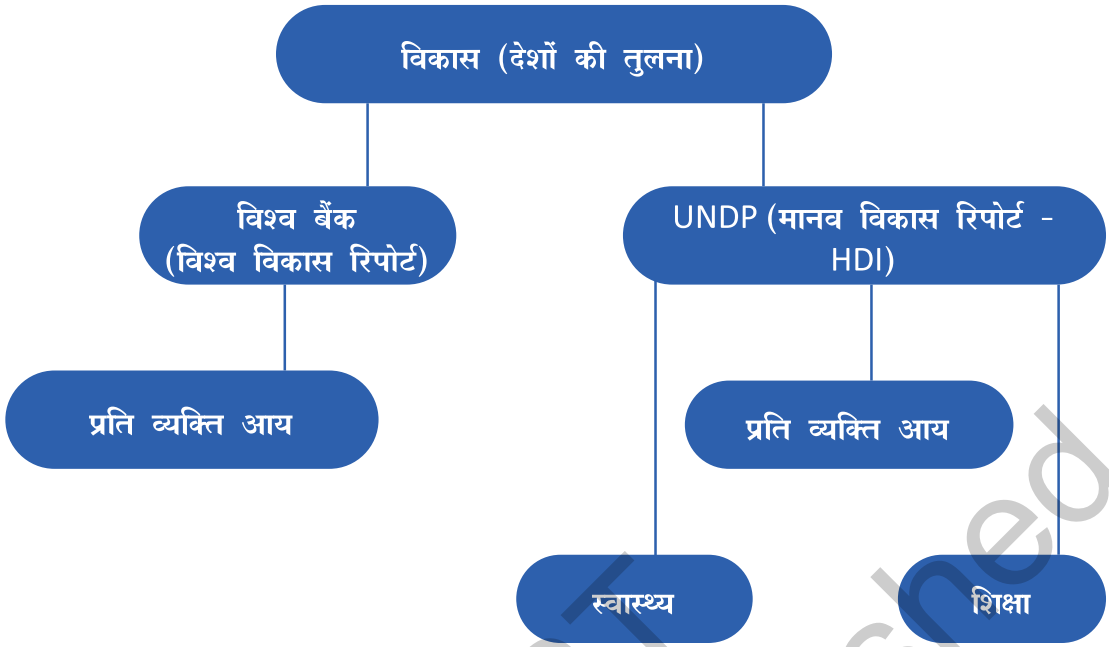

चित्र संख्या 1.1

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. विश्व में प्रत्येक देश की प्रति व्यक्ति आय किस मुद्रा में मापी जाती है।

   a. रुपया b. यूरो c. डॉलर d. येन

2. सामान्यतः किसी देश का विकास किस आधार पर निर्धारित किया जा सकता है?

   a. प्रति व्यक्ति आय b. औसत साक्षरता स्तर

   c. लोगों की स्वास्थ्य स्थिति d. इनमें से सभी

3. निम्नांकित पड़ोसी देशों में से मानव विकास के लिहाज से किस देश की स्थिति भारत से बेहतर है ?

   a. पाकिस्तान b. बांग्लादेश c. नेपाल d. श्रीलंका

4. निम्नलिखित में से कौन से प्रदेश में शिशु मृत्यु दर सबसे कम है?

   a. केरल b. छत्तीसगढ़ c. बिहार d. पंजाब

5. निम्नांकित में से कौन सा देश अल्पविकसित देश है?

   a. भारत b. चीन c. बांग्लादेश d. इनमें से सभी

6. मानव विकास रिपोर्ट किसके द्वारा पेश की जाती है –

   a. यू एन डी पी b. एम एन डी पी

   c. यू एन डी सी d. यू एम डी पी

© JCERT not to be republished

7. लोगों के विकास के लक्ष्य होते हैं –

a. समान b. भिन्न एवं परस्पर विरोधी c. अपरिवर्तित d. इनमें से कोई नहीं

8. सतत विकास का उद्देश्य है –

a. विकास केवल अपने लिए

b. विकास केवल दूसरों के लिए

c. विकास वर्तमान के लिए एवं आने वाली पीढ़ी दोनों के लिए

d. विकास केवल आने वाली पीढ़ी के लिए

9. भूमिहीन ग्रामीण मजदूरों के लिए निम्नांकित में से कौन सा विकास का लक्ष्य हो सकता है ?

a. बेहतर मजदूरी

b. उनकी फसलों के लिए उच्चतम समर्थन मूल्य

c. अपने बच्चों को विदेश में बसा सके

d. इनमें से कोई नहीं

10. शिशु मृत्यु दर का अर्थ है ?

a. 7 अथवा अधिक आयु के साक्षर जनसंख्या

b. किसी वर्ष में पैदा हुए 1000 जीवित बच्चों में से 1 वर्ष की आयु से पहले मर जाने वाले बच्चों की संख्या

c. स्कूल में उपस्थित बच्चों की कुल संख्या

d. 1 वर्ष में उत्पन्न बच्चों की कुल संख्या

11. मानव विकास सूचकांक प्रदर्शित करता है –

a. स्वस्थ विकास

b. उत्तम शिक्षा प्रणाली

c. लोगों का संपूर्ण विकास

d. इनमें से कोई नहीं

12. निम्नांकित में से किसे औसत आय भी कहा जाता है?

a. सकल राष्ट्रीय आय b. कुल आय

c. प्रति व्यक्ति आय d. इनमें से सभी

13. निम्नलिखित में से नवीकरणीय साधन के उदाहरण कौन है ?

a. कोयला b. पेट्रोल c. भूमिगत जल d. इनमें से सभी

© JCERT not to be republished

14. निम्न में से कौन भावी पीढ़ी के कल्याण को परिभाषित करता है?

a. आर्थिक विकास b. समृद्धि

c. धारणीय विकास d. जीवन की गुणवत्ता

15. जीडीपी का अर्थ क्या है?

a. सकल राष्ट्रीय उत्पाद b. शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद

c. सकल घरेलू उत्पाद d. सकल विदेशी उत्पाद

16. एक देश की राष्ट्रीय आय को उसकी जनसंख्या से विभाजित करने क्या प्राप्त होता है?

a. मानव विकास सूचकांक b. सकल विकास उत्पाद

c. राष्ट्रीय आय d. प्रति व्यक्ति आय

17. भारत के किस राज्य की साक्षरता दर सर्वाधिक है ?

a. उड़ीसा b. बिहार c. पंजाब d. केरल

1-c, 2-d, 3-d, 4-a, 5-d, 6-a, 7-b, 8-c, 9-a, 10-b, 11-c,12-c, 13-c, 14-c, 15-c,16-d,17-d.

प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. सामान्यतः किसी देश का विकास किस आधार पर निर्धारित किया जा सकता है?

1. प्रतिव्यक्ति आय
2. औसत साक्षरता दर
3. लोगों की स्वास्थ्य स्थिति
4. उपरोक्त सभी

उत्तर : 4. उपरोक्त सभी

प्रश्न 2. निम्नलिखित पड़ोसी देशों में से मानव विकास के लिहाज से किस देश की स्थिति भारत से बेहतर है?

1. बांग्लादेश
2. श्रीलंका
3. नेपाल
4. पाकिस्तान

उत्तर : 2. श्रीलंका

प्रश्न 3. मान लीजिए कि एक देश में चार परिवार हैं। इन परिवारों की प्रतिव्यक्ति आय 5,000 रुपये है। अगर तीन परिवारों की आय क्रमशरू 4,000, 7,000 और 3,000 रुपये है, तो चौथे परिवार की आय क्या है?

1. 7.500 रुपये
2. 3,000 रुपये
3. 2,000 रुपये
4. 6,0000 रुपये

उत्तर : 4. 6,000 रुपये

© JCERT not to be republished

प्रश्न 4. विश्व बैंक विभिन्न वर्गों का वर्गीकरण करने के लिये किस प्रमुख मापदण्ड का प्रयोग करता है? इस मापदण्ड की, अगर कोई हैं, तो सीमाएँ क्या हैं?

उत्तर : विश्व बैंक विभिन्न वर्गों का वर्गीकरण करने के लिये प्रति व्यक्ति आय का प्रयोग करता है। आय एक महत्वपूर्ण मापदंड है लेकिन कई अर्थशास्त्रियों का मानना है कि कई अन्य मापदंड अधिक महत्वपूर्ण हैं। प्रति व्यक्ति आय से यह पता नहीं चलता कि उस क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएँ या स्कूल की सुविधा कैसी हैं। इसलिए हम कह सकते हैं कि प्रति व्यक्ति आय की अपनी सीमाएँ हैं।

प्रश्न 5. विकास मापने का यू.एन.डी.पी. का मापदण्ड किन पहलुओं में विश्व बैंक के मापदण्ड से अलग है?

उत्तर : विश्व बैंक विकास को मापने के लिए प्रति व्यक्ति आय का इस्तेमाल करता है, लेकिन यू.एन.डी. पी. इस काम के लिए अन्य मापदंडों का भी इस्तेमाल करता है। यू.एन.डी.पी. द्वारा शिशु मृत्यु दर, स्वास्थ्य सेवाएँ, स्कूल में नामांकन, आदि का भी इस्तेमाल किया जाता है। इस प्रकार यू.एन.डी.पी उन सभी कारणों पर गौर करता है जिनसे लोगों के जीवन स्तर पर प्रभाव पड़ता है।

प्रश्न 6. हम औसत का प्रयोग क्यों करते हैं? इनके प्रयोग करने की क्या कोई सीमाएँ हैं? विकास से जुड़े अपने उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : जब सैम्पल का आकार बड़ा होता है एक–एक आँकड़े की विवेचना बहुत कठिन होती है। इसलिए जब भी सैम्पल का आकार बड़ा होता है तो हम औसत का प्रयोग करते हैं। औसत से किसी भी कसौटी का मोटा अनुमान मिल जाता है। लेकिन औसत से कई बार सही चित्र नहीं मिल पाता। इसे समझने के लिए प्रति व्यक्ति आय का उदाहरण लेते हैं। जब आर्थिक असमानता बहुत अधिक होती है तो प्रति व्यक्ति आय से आप आय के वितरण के बारे में कुछ नहीं कह सकते।

प्रश्न 7. प्रतिव्यक्ति आय कम होने पर भी केरल का मानव विकास क्रमांक पंजाब से ऊँचा है। इसलिए प्रतिव्यक्ति आय एक उपयोगी मापदण्ड बिलकुल नहीं है। राज्यों की तुलना के लिये इसका उपयोग नहीं करना चाहिए। क्या आप सहमत हैं? चर्चा कीजिए।

उत्तर : प्रति व्यक्ति आय के मामले में पंजाब का स्थान केरल से ऊपर है। लेकिन पंजाब में शिशु मृत्यु दर अधिक है, साक्षरता कम है और कक्षा 1 से 4 में निबल उपस्थिति दर कम है। इसका मतलब है कि मानव विकास सूचकांक में केरल का स्थान पंजाब से ऊपर है। इसलिए हम कह सकते हैं कि प्रति व्यक्ति आय एक उपयोगी मापदण्ड नहीं है। प्रति व्यक्ति आय का उपयोग करते समय अन्य मापदण्डों को नजरंदाज नहीं करना चाहिए।

प्रश्न 8. भारत के लोगों द्वारा ऊर्जा के किन स्रोतों का प्रयोग किया जाता है? ज्ञात कीजिए। अब से 50 वर्ष पश्चात क्या संभावनाएँ हो सकती हैं?

उत्तर : भारत के ग्रामीण इलाकों आज भी जलावन की लकड़ी ही ऊर्जा का मुख्य स्रोत है। शहरी इलाकों में रसोई का मुख्य ईंधन एलपीजी है। वाहनों में पेट्रोलियम उत्पादों (पेट्रोल, डीजल, सीएनजी) का इस्तेमाल होता है। उद्योग धंधों में कोयला और पेट्रोलियम उत्पादों का इस्तेमाल होता है। जिस तेजी से जंगलों की कटाई हो रही है उससे लगता है कि आज से पचास वर्ष बाद जलावन की लकड़ी मिलना मुश्किल हो जाएगा। जिस तेजी से जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल हो रहा है उससे लगता है जीवाश्म ईंधन का भंडार भी समाप्त हो जाएगा। हमें जल्दी से जल्दी ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों को विकसित करना होगा।

© JCERT not to be republished

प्रश्न 9. धारणीयता का विषय विकास के लिए क्यों महत्वपूर्ण है?

उत्तर : अपना आज संवारने के चक्कर में हम से अधिकांश लोग भविष्य की पीढियों के बारे में नहीं सोचते हैं। धारणीयता का अर्थ है ऐसा विकास जो आने वाले कई वर्षों तक सतत चलता रहे। जब हम संसाधन का दोहन करने की बजाय उनका विवेकपूर्ण इस्तेमाल करते हैं तो हम धारणीयता को संभव कर पाते हैं। ऐसा करके हम आने वाली पीढ़ियों के लिए भी बहुत कुछ बचाकर रखते हैं।

प्रश्न 10. धरती के पास सब लोगों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये पर्याप्त संसाधन हैं, लेकिन एक भी व्यक्ति के लालच को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। यह कथन विकास की चर्चा में कैसे प्रासंगिक है? चर्चा कीजिए।

उत्तर : यह कथन महात्मा गांधी का है। महात्मा गांधी के कथन के पहले भाग से स्पष्ट है कि पृथ्वी के पास इतने संसाधन हैं कि हमारे पूरे जीवन में उनकी कमी नहीं होने वाली। लेकिन यदि हम लालची बन जायेंगे तो फिर अपने जीवनकाल में ही इन संसाधनों का दोहन कर लेंगे। इससे आने वाली पीढ़ियों के लिए कुछ भी नहीं बचेगा। इसलिए विकास करते समय धारणीयता का ध्यान रखना जरूरी है।

प्रश्न 11. पर्यावरण में गिरावट के कुछ ऐसे उदाहरणों की सूची बनाइए जो आपने अपने आसपास देखे हों।

उत्तर : मेरे शहर में पर्यावरण के गिरावट के कुछ उदाहरण नीचे दिये गये हैं:

- शहर के तीन बड़े तालाब आज नाले के पानी से भरे पड़े हैं।
- शहर में पेड़ इतने कम हैं कोई उन्हें अंगुलियों पर गिन ले।
- छोटे–छोटे कल कारखानों के कारण हवा प्रदूषित हो चुकी है।
- वायु प्रदूषण इतना अधिक है कि सांस लेना भी मुश्किल होता है।

प्रश्न 12. नीचे दी गई तालिका में भारत के अल्प–पोषित वयस्कों का अनुपात दिखाया गया है। यह वर्ष 2001 में देश के विभिन्न राज्यों के एक सर्वेक्षण पर आधारित है। तालिका का अध्ययन करके निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

राज्य	पुरुष (%)	महिला (%)
केरल	22	19
कर्नाटक	36	38
मध्य प्रदेश	43	42
सभी राज्य	37	36

(a) केरल और मध्य प्रदेश के लोगों के पोषण स्तरों की तुलना कीजिए।

उत्तर : मध्य प्रदेश की तुलना में केरल के लोगों का पोषण स्तर बेहतर है।

(b) क्या आप अंदाजा लगा सकते हैं कि देश के लगभग 40 प्रतिशत लोग अल्पपोषित क्यों हैं, यद्यपि यह तर्क दिया जाता है कि देश में पर्याप्त खाद्य है? अपने शब्दों में विवरण दीजिए।

उत्तर : इसके कुछ संभावित कारण निम्नलिखित है–

- खाद्य उत्पादन का असमान वितरण।
- अकुशल सप्लाई चेन।
- जनवितरण प्रणाली की खराब हालत।

© JCERT not to be republished